

विभागीय प्रतिवेदन

हिन्दी विभाग

- प्रो. डॉ. अरूण मिश्र
विभागाध्यक्ष

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा 14 सितंबर को के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राजकुमार तिवारी सुमित्र के आतिथ्य में तथा डॉ. एस.के. वर्मा एवं अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा नगर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था कादाम्बरी के अध्यक्ष डॉ. गार्गीशरण मिश्र 'मराल' एवं महासंज्ञा आचार्य भगवत दुबे के विशिष्ट आतिथ्य में तथा महाविद्यालय की यशस्वी प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने व्यक्तित्व में हिन्दी वैज्ञानिक भाषा कहा। प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव ने कहा कि साहित्य हमें संस्कारित करता है। आचार्य भगवत दुबे, डॉ. राजकुमार तिवारी सुमित्र तथा गार्गीशरण मिश्र मराल ने हिन्दी को संस्कृति की वाहिका बताया तथा राष्ट्र भाषा बनने पर बल दिया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महाविद्यालय पत्रिका मानसी का विमोचन किया गया, जिसकी प्रधान संपादक डॉ. नीना उपाध्याय हैं। विभाग की वरिष्ठ आचार्य डॉ. प्रज्ञा अनुरागी और डॉ. बी.एम. तिवारी, डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. सुनील दुबे, डॉ. इंद्रसिंह बरकड़े ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्मृति शुक्ल एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. अरूण कुमार मिश्र ने किया।

राष्ट्रीय साहित्य संगोष्ठी - दिनांक 27.11.17 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में नगर की संस्था 'कादाम्बरी' संस्था के सहयोग से 'भूमंडलीकरण का हिन्दी पर प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं डॉ. के.एल. जैन अतिरिक्त

संचालक उच्च शिक्षा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस संगोष्ठी में डॉ. सुशील कुमार पांडेय, सुल्तानपुर, डॉ. प्रभु चौधरी, उज्जैन, डॉ. ओम प्रकाश सिंह, रायबरेली डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक' जयपुर श्री भरत विजय बगेरिया टीकमगढ़, डॉ. अरूण कुमार मिश्र जबलपुर डॉ. बी.एम. तिवारी, डॉ. प्रज्ञा अनुरागी, डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. स्मृति शुक्ल, डॉ. सुनील दुबे, डॉ. बलराम अहिरवार, डॉ. इंद्र सिंह बरकड़े आदि ने शोधपत्र प्रस्तुत किये। प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागी साहित्यकारों का स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में भूमंडलीकरण को स्पष्ट करते हुए हिन्दी पर हुए इसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों की चर्चा की। विभाग की सह प्राध्यापक डॉ. प्रज्ञा अनुरागी परीक्षा प्रकोष्ठ की सह परीक्षा नियंत्रक एवं डॉ. इंद्रसिंह बरकड़े सहा. नियंत्रक हैं। डॉ. अरूण मिश्र अन्वीक्षा शोध - जर्नल, डॉ. नीना उपाध्याय 'मानसी' पत्रिका तथा डॉ. स्मृति शुक्ला न्यूज लैटर की प्रधान सम्पादक हैं। श्री सुनील दुबे जन भागीदारी प्रभारी हैं। डॉ. बलराम अहिरवार छात्रवृत्ति समिति प्रभारी हैं।

संस्कृत-विभाग प्रतिवेदन

- डॉ. बी.एल. आर्मो
सहा. प्राध्यापक

सत्र 2017-18 में संस्कृत विषय की छात्राओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। वर्तमान में कुल 42 छात्राएँ विभिन्न सेमेस्टर्स में अध्ययनरत हैं। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एल. आर्मो ने महाविद्यालय के अनेक आयामों में अपनी कार्यक्षमता का अच्छा प्रदर्शन किया है। बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं का विभिन्न शीर्षकों का परियोजना कार्य पी.पी.टी. के माध्यम से परियोजना कार्य परीक्षा बाह्य परीक्षक के सहयोग से संपन्न

व्यक्तियों को सम्मान देना हमारी प्राचीन परंपरा है, सम्मान प्रदान करने से कृतज्ञता का भाव जागृत होता है इन्हीं विचारों के साथ अतिथियों ने सम्मान प्राप्त करने वालों का हौसला बढ़ाया। समारोह के अध्यक्ष डॉ.गार्गीशरण मिश्र,

स्मारिका कादम्बरी की काव्य कृति नई उड़ान एवं आचार्य भगवत दुबे की कृति सुधियों के भुजपाश तथा हाईकुमणि का विमोचन अतिथियों ने किया। सरस्वती वंदना अर्चना गोस्वामी ने प्रस्तुत की।

पर देश के विविध अंचलों से आए साहित्यकार पत्रकारों को विभिन्न साहित्यकारों की स्मृति में नकद राशि एवं अलंकरण प्रदान किए गए। पद्मश्री श्यामसिंह शशि नई दिल्ली को स्वामी प्रज्ञानंद प्रज्ञाभूषण सम्मान, डॉ.राजकुमार सुमित्र को प्रज्ञाश्री सम्मान दिया गया। इसी के

सम्मान लक्ष्मी शर्मा को दिया गया। सम शशिकला सेन, हरिभटनागर, आशा शि गीता गीत, सुनीता मिश्रा, डॉ.हरप्रसाद डॉ.हरिशंकर दुबे, सलमा जमाल, सुभ राजेन्द्र रतन का सहयोग रहा। संचालक पाठक प्रवीण ने किया।

कादम्बरी संस्था एवं मानकुंवरबाई महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी: 'भूमंडलीकरण का हिन्दी पर प्रभाव' विषय पर रखी वक्त

साहित्य को पढ़ने के साथ जीना भी जरूरी

हिन्दी भाषा पर हमें गर्व करना चाहिए, हिन्दी से हम बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं, अपना बेहतर कैरियर बना सकते हैं उक्त विचार संगोष्ठी में अध्यक्षता कर रहे अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग के.एल जैन ने व्यक्त किए। यह अवसर था साहित्यिक संस्था कादम्बरी एवं शासकीय मानकुंवरबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय



के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'भूमंडलीकरण का हिन्दी पर प्रभाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का। जहां वक्ताओं ने हिन्दी विषय पर बड़े ही गंभीरता के साथ बात रखी। (आर-6)

संवेदनाएं अब कम हो गई हैं- संगोष्ठी में श्री जैन ने आगे कहा कि भूमंडलीकरण ने शायद हमारी संवेदनाओं को कम किया है। यदि हमने साहित्य को केवल पढ़ा है उसे जिया नहीं तो साहित्य को हमने समझा नहीं। कादम्बरी के महामंत्री आचार्य भगवत दुबे ने इस आयोजन की भूमिका में प्रकाश डाला। आचार्य गार्गीशरण मिश्र ने भूमंडलीकरण को स्पष्ट करते हुए इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की। प्राचार्य गीता श्रीवास्तव ने कहा कि आज हमें हिन्दी की शुद्धता पर ध्यान देना है, आज की संगोष्ठी में देशभर से हिन्दी के विकास के लिए महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने निकलकर आएंगे।

इनकी रही उपस्थिति संगोष्ठी में सिहोरा से आर.ए. तिवारी, देहरादून के डॉ. प्रमोद चौधरी, उज्जैन से प्रमो चौधरी, प्रमो पांडेय, डॉ.सुशील, डॉ. सुश्री मिश्र, तमिल भाषी श्रीवास्तव से डॉ.राजलक्ष्मी कृष्णन ने व्यक्त किए। हिन्दी विभाग के संचालक तिवारी, डॉ.प्रज्ञा अनुभव, डॉ.इन्द्र सिंह बघेल, डॉ.अहिंसार सहित म.प्र. के प्राध्यापक और शोधकर्ता उपस्थिति रही। संयोजक सुक्ता एवं आभार व्यक्त करने के लिए ने किया।

news in brief

कैडेट्स पहुंचे नेत्रहीन कन्या विद्यालय

जबलपुर एक ओर जहां कैडेट्स ने नेत्रहीन छात्राओं को एनसीसी ट्रेनिंग और परेड के बारे में बताया वहीं छात्राओं ने भी देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति कर सबका दिल जीत लिया। यह नजारा था भंवरताल स्थित नेत्रहीन कन्या विद्यालय का, जहां एनसीसी डे के उपलक्ष्य में शास. मानकुंवर बाई कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स के नेत्रहीन छात्राओं से मलाकात की। कार्यक्रम का

जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा गौंड चित्रकारी कार्यशाला के ती

प्राकृतिक खजाना और पर

सिटी रिपोर्टर,जबलपुर पर्यावरण का सारा खजाना देखने को मिलता है गौंड आर्ट में, जहां काल्पनिक दुनिया भी होती है और परम्पराएं भी। जी हां इन दिनों भंवरताल स्थित कल्चरल स्ट्रीट में रंगों से भरी चित्रकारी देखते ही बन रही है, गौंडी कलाकार अपनी सोच

कार्यक्रम

राष्ट्रीय साहित्य संगोष्ठी

विषय – भूमण्डलीकरण का हिन्दी पर प्रभाव

संस्कारधानी जबलपुर की साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था 'कादम्बरी' द्वारा प्रतिवर्षानुसार, इस वर्ष भी एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

अध्यक्ष – डॉ. के.एल. जैन- अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर

स्वागताध्यक्ष – डॉ. गीता श्रीवास्तव प्राचार्य- शासकीय स्वशासी मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय, जबलपुर

सहभागी – डॉ. राजकुमार तिवारी 'सुमित्र' (जबलपुर), डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय, (सुल्तानपुर), डॉ. प्रभु चौधरी (उज्जैन), डॉ. ओमप्रकाश सिंह (रायबरेली), श्री कृपाशंकर शर्मा 'अचूक' (जयपुर), श्री भरतविजय बगेरिया (टीकमगढ़), डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. बी.एम. तिवारी, (जबलपुर), डॉ. दीप्ति गुप्ता (मुम्बई), श्री सदाशिव कौतुक (इन्दौर)

संचालन – डॉ. स्मृति शुक्ला, जबलपुर आभार – डॉ. नीना उपाध्याय

स्थान – शास. मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय, जबलपुर

दिनांक – 25.11.2017 समय – दोप. 12 बजे से

मुख्य समारोह

शाम 6 बजे, शहीद स्मारक भवन, जबलपुर

1. सरस्वती पूजन, वंदना
2. साहित्यकारों के चित्रों पर सुमनांजलि।

अतिथियों का स्वागत

1. अतिथियों का परिचय – अध्यक्ष द्वारा।
2. प्रतिवेदन महामंत्री द्वारा।

विमोचन स्मारिका कादम्बरी

- सुधियों के भुजपाश (कुण्डलिया संग्रह) – आचार्य भगवत दुबे
- हाइकु मणि (हाइकु संग्रह) – आचार्य भगवत दुबे
- नई उड़ान (बाल किशोर कविता संग्रह) – अश्वनी कुमार पाठक

साहित्यकारों/पत्रकारों का सम्मान

मुख्य अतिथि – पद्मश्री डॉ. श्याम सिंह 'शशि', नई दिल्ली

अध्यक्ष – डॉ. कपिलदेव मिश्र – कुलपति आर.डी. वि.वि., जबलपुर

अतिथियों को स्मृति प्रतीक भेंट

संचालन – श्रीमती साधना उपाध्याय
श्री राजेश पाठक 'प्रवीण'

भोजन सौजन्य – श्री पी.पी. पिंजरकर

कादम्बरी

एवं

महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट (सांस्कृतिक प्रकोष्ठ)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

साहित्यकार/पत्रकार
सम्मान-समारोह-2017



दिनांक 25 नवम्बर 2017

समय : शाम 6:00 बजे

स्थान - शहीद स्मारक भवन, गोलबाजार, जयपुर

प्रतिष्ठा में,

श्री/श्रीमती

.....

.....

हिन्दी साहित्य के विद्वानों, छात्र/छात्राओं की उपस्थिति प्रार्थित है।